भजन

नूरजमाल के नैनों में,इश्क और नूर के सागर भरे हैं
रंगरंगीले छैल छबीले रस भरे नैनां

1- पलवालत देखत हैं शर्म से,प्यारे लागे नैनां
गुण गरभित मेहर से पाईए,बोले मीठे बैना
चंचल चपल गुण नैनों के भरे हैं,इश्क और नूर...

2- तीन कोन वाला तीर कस के चलाया है
रोई रात दिन आशिक हाल बदलाया है
नैन रूपी बाण देखो सीने में गढ़े हैं,इश्क और नूर..

3-आसिक देखे अपनी पुतली हक सुभान के नैनों में
हक देखें अपनी पुतली आशिकों के नैनों में
नैनों में जुगतें युगल बनी हैं,इश्क और नूर..

4- शीतल मेहर भरी नजरें रूहों पे लुटाते हैं
इश्क सुराही हाथ में लेके जाम पे जाम पिलाते हैं
नूरजमाल महबूब मिले हैं,इश्क और नूर...

5- रूहों के यह तन महबूब के प्याले हैं
इश्क भरी नजरों से पीते और पिलाते हैं
ऐसे कायम सुख हक ने दिए हैं,इश्क और नूर...

6- इश्क के समन्दर हक नैनों में भरे हैं
लाल लाल डोरे हैं जो सागर से भरे हैं
आशिकों के नैनों में नैन यूं बसे हैं,इश्क और नूर...